

विद्याभवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

वर्ग- तृतीय

दिनांक— 08/01/2021

विषय— सह-शैक्षणिक कार्य वर्ग-शिक्षिका— नीतू कुमारी

लालची कुत्ता

लालची कुत्ता

एक बार एक कुत्ते को बहुत जोर से भूख लगी थी। तभी उसे एक रोटी मिली। वह उस रोटी का पूरा आनंद लेना चाहता था। इसलिए वह उसे शान्ति में बैठकर खाने की इच्छा से रोटी को अपने मुँह में दबाकर नदी की ओर चल दिया। नदी पर एक छोटा पुल था। जब कुत्ता नदी पार कर रहा था, तभी उसे पानी में अपनी परछाई दिखाई दी। उसने अपनी परछाई को दूसरा कुत्ता समझा और उसकी रोटी छीनना चाहा।



रोटी छीनने के लिए उसने भौंकते हुए नदी में छलाँग लगा दी। मुँह खोलते ही उसके मुँह की रोटी नदी के जल में गिरकर बह गयी और लालची कुत्ता भूखा ही रह गया। इसलिए कहा गया है कि हमें लालच नहीं करना चाहिये।

बच्चों, दी गयी कहानी को पढ़ें तथा समझने का प्रयास करें।